PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Wed, 12 Apr 2017, Page 8
Width: 88.32 cms, Height: 32.00 cms, a3r, Ref: 11.2017-04-12.56

यूक्रेन की युवती में धड़का भारतीय का दिल

ठाणे, 11 अप्रैल (भाषा)।

मुंबई के करीब ठाणे के एक अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण के बाद यूक्रेन की 27 साल की युवती को नई जिंदगी मिली है। सूरत की एक सड़क दुर्घटना में मारे गए युवक के दान किए हुए हृदय का प्रत्यारोपण किया गया।

गुजरात में सूरत के यूनिटी अस्पताल से सोमवार को यह हृदय उपनगर मुलुंड के फोर्टिस अस्पताल लाया गया। हृदय को गुजरात से यहां 317 किलोमीटर दूर पहुंचाने में कुल एक घंटा 32 मिनट का समय लगा। फोर्टिस अस्पताल की ओर से जारी बयान के अनुसार यह हृदय यूक्रेन की एक महिला को प्रत्यारोपित किया जाना था। वह प्रसव के बाद कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित थी। इससे पांच महीने पहले महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया था। अस्पताल ने बताया कि इस बीमारी से मरने की संभावना अधिक होती है।

ऐसे मिली नई जिंदगी

दुर्घटना के शिकार युवक का हृदय सूरत के अस्पताल से सोमवार सुबह एक चार्टर्ड विमान से भेजा गया। इसे लेकर विमान ने सुबह 9.57 बजे सूरत से उड़ान भरी और करीब साढ़े दस बजे मुंबई पहुंच गया। इसके बाद बाद हृदय को एक एंबुलेंस के जरिए 11:02 बजे मुलुंड के फोर्टिस अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इसे यूक्रेन की युवती में प्रत्यारोपित किया गया। हृदय दान करने वाले सूरत के रहने वाले हैं। बैंक में काम करने वाले उनके 22 साल के युवक का मस्तिष्काघात के कारण मौत हो गई थी, जिसके बाद उन्होंने उसका हृदय दान करने का फैसला किया।

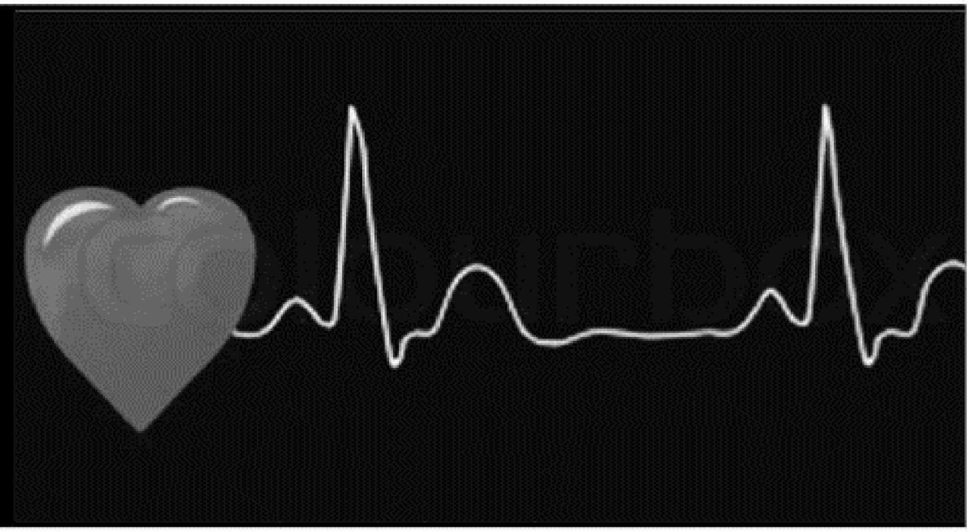

यह हृदय सूरत के अस्पताल से सुबह एक चार्टर्ड विमान से भेजा गया। इसे लेकर विमान ने सुबह 9.57 बजे सूरत से उड़ान भरी और करीब साढ़े दस बजे मुंबई पहुंच गया। विमान से मुंबई पहुंचने के बाद हृदय को एक एंबुलेंस के जरिए 11:02 बजे मुलुंड के फोर्टिस अस्पताल पहुंचाया गया। हृदय दान करने वाले सूरत के रहने वाले हैं। एक सड़क दुर्घटना के बाद बैंक में काम करने वाले उनके 22 साल के युवक की मस्तिष्काघात के कारण मौत हो गई थी, जिसके बाद उन्होंने उसका हृदय दान करने का फैसला किया।

मृतक युवक के परिजनों को एक गैर सरकारी संगठन ने हृदय दान करने के लिए रजामंद किया था। संगठन ने उन्हें हृदय के अलावा उसके गुर्दे, अग्नाशय और कॉर्निया आदि दान करने के लिए भी तैयार कर लिया। युवक के परिवार वालों से सहमति के बाद प्रत्यारोपण की प्रक्रिया शुरू की गई और हृदय को मुंबई लाकर यूक्रेन की युवती में प्रत्यारोपित किया गया। वह हृदय प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची में शामिल थी। फोर्टिस अस्पताल के हृदय प्रत्यारोपण दल के प्रमुख डॉ. अन्वय मुले ने कहा कि शल्य चिकित्सा पूरी हो चुकी है और प्रत्यारोपण कराने वाली युवती की स्थिति अब स्थिर है। हम अगले 48 से 72 घंटे तक उसे निगरानी में रखेंगे।